दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-८७ वा | रविवार १८ जनवरी २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

बीड़ में उर्दू माध्यम शिक्षकों के लिए एकदिवसीय विशेष कार्यशाला, कोशिश फाउंडेशन और गटशिक्षण अधिकारी का उपक्रम

१९ जनवरी को आयोजन, अल्पसंख्यक विद्यालयों में ड्रॉपआउट रोकने पर रहेगा विशेष फोकस

बीड़ (तामीर न्यूज)

बीड़ शहर की उर्दू माध्यम शालाओं में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने, विद्यार्थियों की बढ़ती स्कूल छोड़ने (ड्रॉपआउट) की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण लगाने तथा नई पीढ़ी की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षकों को मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से कोशिश फाउंडेशन, बीड़ और गट शिक्षण अधिकारी कार्यालय, बीड़ के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया है। यह कार्यशाला गट शिक्षण अधिकारी कार्यालय, पंचायत समिति बीड़ के मार्गदर्शन में कोशिश फाउंडेशन एवं इफ्तिकार वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से १९ जनवरी २०२६, दोपहर १२.३० बजे से ४.३० बजे तक किंग पैलेस फंक्शन हॉल, तेलगांव रोड, बीड़ में संपन्न होगी।

कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता एवं मार्गदर्शक के रूप में श्री जितिन रहमान (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद बीड़), डॉ. शेख फेरोज (चेयरमैन, कोशिश फाउंडेशन, बीड़), श्री मुज्तबा फारूक (छत्रपति संभाजीनगर/औरंगाबाद), श्री रमीज़ ए. वदूद (मोटिवेशनल स्पीकर, दिल्ली) तथा आर्किटेक्ट अर्शद शेख (मोटिवेशनल स्पीकर, अहिल्यानगर/अहमदनगर) उपस्थित रहकर मार्गदर्शन करेंगे।

कार्यशाला का उद्घाटन श्री जितिन रहमान के हाथों होगा, जबकि शिक्षणाधिकारी डॉ. किरण कुंवर और गट शिक्षण अधिकारी समंदर खान प्रमुख अतिथि के रूप में शामिल रहेंगे।

इस कार्यशाला में बीड़ शहर की सभी उर्दू माध्यम जिला परिषद एवं निजी शालाओं के शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। निर्देशानुसार शिक्षक सुबह ८.०० से १२.०० बजे तक नियमित विद्यालय संचालन के पश्चात सीधे कार्यशाला स्थल पर उपस्थित रहेंगे। विद्यालयवार उपस्थिति दर्ज की जाएगी और अनुपस्थिति स्वीकार्य नहीं होगी।

कार्यशाला में विभिन्न जिलों से आए अनुभवी शिक्षक, विषय-विशेषज्ञ और वरिष्ठ शासकीय अधिकारी सहभाग लेंगे। इस दौरान विद्यार्थियों के स्कूल छोड़ने की बढ़ती समस्या, उर्दू माध्यम एवं अल्पसंख्यक विद्यालयों में ड्रॉपआउट के कारण और समाधान, बालिकाओं की शिक्षा का महत्व, बाल शिक्षा के समकालीन मुद्दे तथा २०१० के बाद जन्मी 'अल्फा जनरेशन' के विद्यार्थियों की सीखने-सिखाने से जुड़ी चुनौतियों और उनके प्रभावी उपायों पर विस्तार से मार्गदर्शन किया जाएगा।

आज के बदलते शैक्षणिक परिदृश्य में शिक्षक ही समाज की सबसे मजबूत नींव हैं। ऐसी कार्यशालाएँ न केवल शिक्षकों को नई सोच और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ती हैं, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य को भी सही दिशा देती हैं। उर्दू माध्यम और अल्पसंख्यक विद्यालयों में ड्रॉपआउट रोकने की यह पहल बीड़ जिले में शिक्षा को नई ऊर्जा और नई दिशा देने वाली साबित होगी।

मालेगांव महानगरपालिका चुनाव २०२६: इस्लाम पार्टीने रचा इतिहास, ३५ सीटे

हैदराबाद कि मजलिस को चुनौती देने वाली पार्टी का परिचय

मालेगांव, (तामीर न्यूज)

१७ जनवरी २०२६: महाराष्ट्र के नासिक जिले के मुस्लिम बहुल शहर मालेगांव महानगरपालिका चुनाव में एक नई राजनीतिक ताकत ने धमाल मचा दिया है। नई बनी इस्लाम पार्टी (पूर्ण नाम: Indian Secular Largest -ssembly of Maharashtra - ISL-M²) ने अपनी पहली ही चुनावी परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल ८४ सीटों में से ३५ सीटें जीत ली हैं। यह पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, जबकि बहुमत के लिए जरूरी ४३ सीटें नहीं मिल सकीं।

इस चुनाव ने पारंपरिक दलों को बड़ा झटका दिया। कांग्रेस, जो लंबे समय से यहां हावी थी, मात्र ३ सीटों पर सिमट गई। असदुद्दीन ओवैसी की -खचखच् ने २१ सीटें हासिल कीं, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) को १८ सीटें मिलीं। भाजपा को महज २ सीटें ही मिल पाईं। इस्लाम पार्टी ने समाजवादी पार्टी (ड्ढ) के साथ 'मालेगांव सेक्युलर फ्रंट' बनाकर चुनाव लड़ा, जिसे कुल मिलाकर ४० सीटों का समर्थन मिला।

इस्लाम पार्टी क्या है और इसका गठन कब हुआ?

इस्लाम पार्टी की स्थापना अगस्त २०२४ में पूर्व विधायक शेख आसिफ शेख राशिद ने की थी। वे पहले कांग्रेस और फिर अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) से जुड़े रहे थे। पार्टी का पूरा नाम Indian Secular Largest -ssembly of Maharashtra (ISL-M²) है, जो एक सेक्युलर संगठन होने का दावा करती है और सभी जातियों-समुदायों की प्रतिनिधित्व का वादा करती है।

शेख आसिफ का मुख्य उद्देश्य मालेगांव के समग्र विकास, बुनियादी सुविधाओं में सुधार, रोजगार सृजन और धार्मिक भावनाओं की रक्षा करना है। उन्होंने कहा है कि सत्ता में आने पर धार्मिक अपमान करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाएंगे। पार्टी अभी मुख्य रूप से मालेगांव तक सीमित है, लेकिन भविष्य में पूरे महाराष्ट्र में विस्तार की योजना है।

चुनावी नतीजों पर प्रतिक्रिया

शेख आसिफ शेख राशिद ने नतीजों पर खुशी जताते हुए कहा, यह जनादेश दिखाता है कि लोग स्थानीय और सेक्युलर विकल्प चाहते हैं। हम विकास के लिए सभी दलों से बातचीत को तैयार हैं। नतीजे कांग्रेस के लंबे वर्चस्व को खत्म करने में सफल रहे, जबकि -खचखच् का प्रभाव भी कम हुआ।

यह चुनाव मालेगांव की राजनीति में बड़ा बदलाव लाया है, जहां स्थानीय मुद्दों और सेक्युलर एजेंडे ने राष्ट्रीय दलों को पीछे छोड़ दिया। अब सत्ता गठन के लिए गठबंधन की चर्चा तेज है, और इस्लाम पार्टी मेयर पद के लिए मजबूत दावेदार बनकर उभरी है।

▸▸पा

भाजपा बड़े कलाकार, शिंदे और अजित पवार का भी 'कांटा' निकाल दिया-मनोज जरांगे पाटील का भाजपा पर तीखा हमला

परळी, (प्रतिनिधि):

मराठा आरक्षण आंदोलन के प्रमुख नेता मनोज जरांगे पाटील ने शनिवार को परळी तालुका के मिरवट गांव में आयोजित हरिनाम सप्ताह कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने राज्य की राजनीतिक घटनाओं पर बेबाक राय रखते हुए भाजपा और महायुति पर जमकर निशाना साधा।

मीडिया से बातचीत में जरांगे पाटील ने कहा कि भाजपा के लोग बहुत बड़े कलाकार हैं। उन्होंने पहले महाविकास आघाड़ी को खत्म किया और अब एकनाथ शिंदे तथा अजित पवार का भी राजनीतिक रूप से कांटा निकाल दिया है, ऐसा सनसनीखेज दावा उन्होंने किया। अजित पवार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि अजितदादा ने नासके और पापी लोगों को साथ रखा, इसी वजह से मराठा समाज उनसे दूर हो गया। पुणे जैसे शहरों में उन्हें जो असफलता मिली, वह मराठा मतदाताओं की नाराज़गी का ही परिणाम है।

जरांगे पाटील ने दोहराया कि यदि मराठा, मुस्लिम और दलित समाज एकजुट हो जाएं, तो वे भाजपा को चूर-चूर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि भाजपा ने पहले महाविकास आघाड़ी को खत्म किया और अब शिंदे व अजित पवार को कमजोर किया। मिरवट में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अजित पवार को अब आत्ममंथन करना चाहिए, क्योंकि गलत लोगों को साथ रखने से मराठा समाज उनसे दूर चला गया और महानगरपालिका चुनावों में इसका सीधा नुकसान हुआ।

एमआईएम की सफलता पर टिप्पणी करते हुए जरांगे पाटील ने कहा कि जब मुसलमान, दलित और मराठा एक होते हैं, तो सभी विरोधियों की हवा निकल जाती है। उन्होंने दावा किया कि २०२९ के चुनाव में यदि ये तीनों समाज एक साथ आए, तो भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ेगा।

चुनावों से दूरी का रुख कायम

हाल ही में संपन्न महानगरपालिका चुनावों के नतीजों पर बोलते हुए जरांगे पाटील ने कहा कि मराठा समाज के दूर होने का सीधा असर चुनाव परिणामों पर पड़ा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वे स्वयं चुनावी राजनीति में नहीं उतरेंगे। उन्होंने कहा, मैं विधानसभा, नगर पंचायत और महानगरपालिका चुनावों में नहीं था और आने वाले जिला परिषद चुनावों में भी मैं अलिप्त ही रहूंगा।

एकजुटता का संदेश और कुणबी प्रमाणपत्र का मुद्दा

जरांगे पाटील ने एक बार फिर 'मराठा-दलित-मुस्लिम' एकता के समीकरण को दोहराया और कहा कि इन तीनों के एक होने से बड़ा राजनीतिक बदलाव संभव है। साथ ही उन्होंने परळी तालुका में कुणबी प्रमाणपत्रों से जुड़ी शिकायतों पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुळे से चर्चा करने की बात कही। इस अवसर पर उन्होंने ह.भ.प. विष्णु महाराज उखळीकर के काल्याच्या कीर्तन में भी भाग लिया और समाज से एकजुट रहने का आह्वान किया।

भारत मुक्ति मोर्चा का बीड में सोमवार को धरना आंदोलन, बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील

बीड । प्रतिनिधि

संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ रची जा रही साजिशों, बामसेफ और भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अधिवेशन को रोकने के प्रयासों तथा लोकतंत्र को कमजोर करने वाली आरएसएस-भाजपा की संविधान विरोधी राजनीति के विरोध

में भारत मुक्ति मोर्चा की ओर से सोमवार (१९ जनवरी) को बीड में धरना आंदोलन आयोजित किया जा रहा है। यह धरना बीड के जिलाधिकारी कार्यालय के सामने होगा। इस आंदोलन में बहुजन समाज से बड़ी संख्या में एकजुट होकर शामिल होने की अपील भारत मुक्ति मोर्चा के मधुकर काले और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के भीमराव कुटे ने की है।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत के संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए तथा आरएसएस-भाजपा से जुड़े लोगों द्वारा साजिश के तहत बामसेफ और भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अधिवेशन की अनुमति रद्द किए जाने के विरोध में देशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन और विशाल महारैली का आयोजन किया जा रहा है। यह आंदोलन भारत मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, बहुजन क्रांति मोर्चा और राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में देशभर में चार चरणों में किया जा रहा है।

आंदोलन का पहला चरण ७ जनवरी २०२६ को पूरे देश में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अब आंदोलन के दूसरे चरण में एक ही दिन पूरे देश में धरना आंदोलन आयोजित करने का आह्वान किया गया है। यह सभी आंदोलन भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वामन मेश्राम के नेतृत्व में किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में बीड के जिलाधिकारी कार्यालय के सामने सोमवार (१९ जनवरी) को धरना आंदोलन आयोजित किया गया है। इस आंदोलन में बीड जिले के बहुजन समाज से संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होकर भाग लेने की अपील भारत मुक्ति मोर्चा के मधुकर काले, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के भीमराव कुटे, सत्यशोधक महासंघ के हरिश्चंद्र पवार, राहुल काले सहित अन्य सहयोगी संगठनों के पदाधिकारियों ने की है।

मिल्लिया गर्ल्स स्कूल की छात्राओं का पुलिस स्टेशन का शैक्षणिक भ्रमण

बीड (प्रतिनिधि):

बीड स्थित मिल्लिया गर्ल्स माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय की कक्षा पाँचवीं से बारहवीं तक की छात्राओं ने शहर पुलिस स्टेशन का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर छात्राओं ने सबसे पहले पुलिस स्टेशन के पी.आई. भल्लाल से मुलाकात की।

पी.आई. भल्लाल साहब ने छात्राओं को पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस व्यवस्था कैसे कार्य करती है, कानून-व्यवस्था कैसे बनाए रखी जाती है तथा आपात स्थिति में इमरजेंसी कॉल कैसे की जाती है। इसके साथ ही उन्होंने दंड संहिता (पीनल कोड), दंगा नियंत्रण पथक की भूमिका, शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उपायों पर भी मार्गदर्शन किया।

भल्लाल साहब ने विशेष रूप से छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा, असामाजिक तत्वों से बचाव के तरीके तथा महिला पुलिसकर्मियों के कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के मुख्याध्यापक सिद्दीकी इरफान सादुल्लाह, उपमुख्याध्यापक, सुपरवाइज़र तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित थे। अंत में पी.आई. भल्लाल साहब ने सभी छात्राओं को शुभकामनाएँ दीं और विद्यालय को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

किला मैदान स्थित डाकबंगला तत्काल शुरू किया जाए-पठान

बीड़: बीड़ शहर के किला मैदान, बलभीम कॉलेज के पास स्थित निज़ामकालीन नगर परिषद (न.प.) स्वामित्व वाले डाकबंगले की तत्काल मरम्मत कर उसे जनता की सेवा के लिए शुरू किया जाए-इस आशय का निवेदन नगर परिषद बीड़ की अध्यक्ष मा. प्रेमलता पारवे तथा मुख्याधिकारी को समाजसेवक मुकरमजान पठान ने दिया है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, बीड़ शहर के किला मैदान, बलभीम कॉलेज के समीप स्थित यह निज़ामकालीन डाकबंगला कई दशकों तक आम जनता की सेवा के लिए उपलब्ध रहा है। यहां शहर के अमीर-गरीब वर्ग के विवाह समारोह,

सगाई कार्यक्रम आयोजित होते रहे हैं। साथ ही अनेक राजनीतिक एवं सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम भी इसी डाकबंगले में संपन्न हुए हैं।

बताया गया कि निज़ामकालीन इस डाकबंगले को गिराकर उसी स्थान पर नया निर्माण कर नगर परिषद बीड़ ने इसे किराये के आधार पर एक निजी व्यक्ति को संचालन हेतु दिया था। हालांकि नगर परिषद के स्वच्छता विभाग द्वारा समय-समय पर सफाई न होने और बढ़ते राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण ठेकेदार ने डाकबंगला छोड़ दिया। पिछले कई वर्षों से बंद पड़े इस डाकबंगले की स्थिति जर्जर हो चुकी है और वह पूरी तरह उपेक्षा का शिकार है।

निवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि डाकबंगले की खुली जगह पर नगर पालिका के निलंबित कर्मचारियों द्वारा निर्माण की मिट्टी डाल दिए जाने से डाकबंगला पूरी तरह बंद हो गया है। डाकबंगले के भीतर नशा करने वाली युवा पीढ़ी का जमावड़ा होने लगा है। वहीं आसपास के लोगों द्वारा डाकबंगले की चारदीवारी तोड़कर घरों का निर्माण कर अनधिकृत अतिक्रमण भी किया गया है। समाजसेवक मुकरमजान पठान ने नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि संबंधित लोगों को तत्काल नोटिस देकर कार्रवाई की जाए, डाकबंगले की जमीन की पुनः माप कर चारों दिशाओं में सुरक्षा दीवार (चारदीवारी) का निर्माण कराया जाए और डाकबंगले को शीघ्र ही आम जनता की सेवा के लिए उपलब्ध कराया जाए।

खलबली मचाने वाली घटना: लापता कर्मचारी का शव बरामद

बीड (प्रतिनिधि):

बीड के एक शासकीय विभाग में कार्यरत कर्मचारी का शव पाली के पास एक कार में मिलने से क्षेत्र में खलबली मच गई है। यह आत्महत्या है या फिर हत्या, इसका फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है।

मृतक कर्मचारी की पहचान सचिन नारायण जाधव (उम्र ४५ वर्ष) के रूप में हुई है। वे बीती रात से लापता थे। उनकी पत्नी ने रात में ही शिवाजीनगर पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। आज दोपहर करीब एक बजे पाली के पास एक कार में शव होने की सूचना बीड ग्रामीण पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल बीड ग्रामीण पुलिस इस पूरे मामले की आगे की जांच कर रही है।

अल-फलाह कमिटी के सामूहिक विवाह समारोह ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी सहायता प्रदान कि

कारी अहमद अली की मौजूदगी में २७ विवाह संपन्न

काजी अमान / बीड

माजलगांव में अल-फलाह कमिटी की ओर से हर साल की तरह इस साल भी सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष कुल २७ नवविवाहित जोड़ों का विवाह अत्यंत सादगी से, धार्मिक रीति-रिवाजों और सामाजिक जिम्मेदारी को बनाए रखते हुए संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के कारण जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बहुत बड़ी मदद मिली है तथा समाज में एक सकारात्मक संदेश पहुंचा है।

इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हजरत मौलाना कारी अहमद अली साहब (गुजरात) की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने अपने प्रभावशाली,

ज्ञानपूर्ण और मार्गदर्शक भाषण में विवाह के धार्मिक, सामाजिक तथा नैतिक महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि विवाह केवल एक समारोह नहीं है, बल्कि यह दो परिवारों को तथा पूरे समाज को जोड़ने वाला पवित्र बंधन है।

मौलाना कारी अहमद अली ने नवविवाहित जोड़ों को संबोधित करते हुए बताया कि वैवाहिक जीवन को सफल कैसे बनाया जाए, पति-पत्नी के बीच प्रेम, संयम, विश्वास और पारस्परिक सम्मान कितना आवश्यक है, इस पर विस्तार से मार्गदर्शन किया। इस्लामी शिक्षाओं के अनुसार वैवाहिक जीवन में सादगी, ईमानदारी और अल्लाह पर भरोसा रखने के महत्व को उन्होंने बहुत ही सुंदर शब्दों में प्रस्तुत किया। खासकर आज के दौर में बढ़ते अनावश्यक खर्च, दहेज प्रथा और दिखावटी विवाह प्रणाली पर उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कड़ी टिप्पणी करते हुए विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम में मौलाना साहब ने सभी नवदंपतियों की जानकारी बहुत ही सुंदर, स्पष्ट और प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत की। उन्होंने संदेश दिया कि प्रत्येक विवाह समाज के लिए एक आदर्श बनना चाहिए। अल-फलाह कमिटी के कार्य की उन्होंने विशेष सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में सामाजिक समानता, एकता और भाईचारा बढ़ता है। इस सामूहिक विवाह समारोह में धार्मिक गुरु, सामाजिक कार्यकर्ता, नागरिक तथा नवदंपतियों के रिश्तेदार बड़ी संख्या में उपस्थित थे। यह समारोह बहुत ही अनुशासित तरीके से, शांति और धार्मिक माहौल में उत्साह के साथ संपन्न हुआ। माजलगांव की अल-फलाह कमिटी के इस प्रयास से समाज में एक आदर्श स्थापित हुआ है। नागरिकों की ओर से अपेक्षा व्यक्त की गई है कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर चलते रहें। साथ ही कमिटी के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को धन्यवाद दिया गया।

मुंबईकरों ने विकास के एजेंडे को पूरा समर्थन दिया-मुख्यमंत्री

मुंबई (जमीर काज़ी):

मुंबई के सभी क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मत मिले हैं और धर्म, भाषा व समाज की सीमाओं से ऊपर उठकर जनता ने पार्टी को समर्थन दिया है। जो लोग मुंबई को अपनी जागीर समझते थे, उन्हें जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वह विकास और भाजपा के साथ है। यह प्रतिपादन देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को किया।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव में भाजपा ने १३६ सीटों पर चुनाव लड़ते हुए ८९ नगरसेवक निर्वाचित कराए। दादर स्थित मुंबई भाजपा के वसंतस्मृति कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नवनिर्वाचित नगरसेवकों को मार्गदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री बोल रहे थे। इस अवसर पर मुंबई के पार्टी के सभी प्रमुख नेता और पदाधिकारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, आज मुंबई में सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी बनी है। इस महानगरपालिका चुनाव ने हमारी शक्ति और हमारे कार्यकर्ताओं की क्षमता को दिखा दिया है। मुंबई की जनता ने हमारे विकास के एजेंडे को पूर्ण समर्थन दिया है। भाजपा को ८९ सीटें मिली हैं और ४५ प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं। साथ ही उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सहयोगी दल शिवसेना ने भी २९ सीटों पर जीत हासिल की है।इस अवसर पर मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने कहा, महायुति को मिली यह जीत मुंबई के मराठी मानुस और मुंबईकरों की जीत है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के विज़न और मुंबई भाजपा के अथक परिश्रम करने वाले कार्यकर्ताओं की जीत है।मंच पर प्रवीण दरेकर, मुंबई सरचिटणीस आचार्य पवन त्रिपाठी, राजेश शिरवडकर, गणेश खणकर, श्वेता परुलकर, विधायक प्रसाद लाड, मनीषा चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com